Invited Talk in Central University Haryana, Mahenderagarh, on “Journey from Invention to Innovation”

On 12th March 2022, Prof. Anurekha Sharma, Co-ordinator, KUTIC and Mr. Manoj Sharma, Incubation Consultant, KUTIC delivered a talk on "Journey from Invention to Innovation". Prof. Anurekha Sharma explained about the difference between invention and innovation ,through a lot of illustrations. She also apprised the audience aboutt ingredients of innovation , different types of innovation , and need for innovations. Mr. Manoj told about the activities of KUTIC and also discussed about setting up of the incubation centre. About 170 students attended the talk.

राष्ट्र की प्रगति में नवाचार का विशेष महत्व : टंकेश्व

संवाद सहयोगी, मोटपाट : राष्ट्र की प्रगति में नवाचार अपना विशेष महत्व रखता है। जिस देश के नागरिक जितने ज्यादा नवाचार के प्रति प्रवासरत रहते हैं, वहां आत्मनिर्भरता, स्वयं रोजगार व रोजगार के अवसर उतने ही अधिक बेहतर विकसित होते हैं। भारत में प्राचीन काल से ही शोध व नवाचार पर बल दिया जाता रहा है। जिसके फलस्वरूप भारत ने विश्व का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वगुरु का दर्जा हासिल किया। वर्तमान में कोरोना महामारी में जहां एक तरफ पूरा विश्व महामारी के प्रकोप से जूझ रहा था, वहीं उस मुश्किल समय में महामारी से बचाव के साथ-साथ भारत ने इससे बचाव के लिए वैक्सीन भी विकसित करने का कारनामा अंजाम दिया। आज भारत

प्रो. टंकेश्वर कुमार •

हकेवि में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करतीं प्रो. सुनीता श्रीवास्तव • सौ. हकेवि

की इस उपलब्धि से करोड़ों लोगों का जीवन बचाने के साथ-साथ इससे लाखों लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम यानि संपूर्ण धरती ही अपना परिवार है और परिवार की समृद्धि के लिए नवाचार करना भारतीय संस्कृति का नियम रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय स्थित इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'अविष्कार से नवाचार तक' में अपने संबोधन में व्यक्त किए। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विवि, कुरुक्षेत्र के नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र की संयोजिका प्रो. अनुरेखा शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. अनुरेखा शर्मा ने अपने वक्तव्य में अविष्कार और नवाचार के महत्व पर विस प्रकाश डाला। वर्तमान में जिस प्र भारत में रोजगार की उपलब्धता लेकर लगातार प्रयास जारी है देखते हुए अब हमारे युवकों उद्यमिता की तरफ ले जाना अत आवश्यक है। प्रो. शर्मा ने स्टार्ट के विषय पर भी प्रतिभागियों से की। कार्यक्रम में अन्य विशेषज्ञ शर्मा ने भी नवाचार की महत्ता प्रकाश डाला और प्रतिभागियों इसके लिए निरंतर प्रयासरत रहने लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम एवं में इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र संयोजिका प्रो. सुनीता श्रीवास्तव मुख्य वक्ता की बातों को सा बताया। इसके लिए विवि व्याख्यान, शोध कार्यशालाएं, वि प्रदर्शनी एवं विषय विशेषज्ञ चर्चा का आयोजन निरंतर किया जा है। इससे हमारे विद्यार्थी और शोध ऐसी तकनीक विकसित करें जि देश में रोजगार के साधन विकसित और भारत आत्मनिर्भर बने।

12th March 2022